पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

कृषि क्षेत्र में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलाइजेशन पर विचार करें - राज्यपाल

लखनऊ: 10 नवम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय नेशनल कांग्रेस आन हारवेस्ट टेक्नोलाजीज आफ एग्रीकल्चरल प्रोडयूस फार ससटेनेबल एण्ड न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री विनोद कुमार सिंह, कुलपति डा0 एम0डब्ल्यू अख्तर, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा0 राजेन्द्र प्रसाद, कृषि उत्पाद आयुक्त श्री प्रदीप भटनागर, विदेश से आये विशेषज्ञ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलाइजेशन पर विचार करें। समुचित भण्डारण व्यवस्था करके कृषि उत्पाद को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। फसल को बर्बादी से बचाते हुए उसके उप-उत्पाद का सही उपयोग करके उसे भी लाभकारी बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय कर उसे प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाकर किसानों के जीवन में सुधार की आवश्यकता है। अनुसंधान को व्यवहार में कैसे लाया जाये उस पर गहनता से अध्ययन और विचार करें। उन्होंने कहा कि किसान समृद्ध होगा तो देश भी समृद्ध होगा।

श्री नाईक ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सौर ऊर्जा एक अच्छा विकल्प है। कृषि के क्षेत्र में विज्ञान का उपयोग करके किसानों के जीवन में कैसे सुधार आ सकता है, इस पर विस्तार से विचार करने की जरूरत है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लालबहादुर शास्त्री ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा दिया तथा पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उसमें 'जय विज्ञान' जोड़कर कृषि को नया आयाम दिया। देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि किसान को बाजार में उसके उत्पाद का योग्य लाभ दिलाने के लिये ठोस कदम उठाये जायें।।

कृषि मंत्री श्री विनोद कुमार सिंह ने कहा कि फसल की कटाई के बाद एक तिहाई हिस्सा कई कारणों से बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण संसाधन को और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री प्रदीप भटनागर ने बताया कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में देश में कई क्षेत्रों में सबसे ज्यादा उत्पादन कर रहा है। कृषि उत्पाद पूरी तौर से उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि नयी अवस्थापना की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संगोष्ठी से प्राप्त निष्कर्षों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि कृषि उत्पादों पर जलवायु परिवर्तन का बहुत असर पड़ता है। ऐसे में हमें समवर्गी कृषि उत्पादों पर भी विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के लिये नीति निर्धारकों को विचार करना होगा।

कार्यक्रम में डा0 चाल्स लिन्डसे, संस्थापक अध्यक्ष वल्ड फूड प्रिजरवेशन फोरम, अमेरिका व चाइना के प्रो0 यांग ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (413/9)

ICPASN-2016
International Congress
on
Post-Harvest Technologies of Agricultural Produce for
Sustainable Food and Nutritional Security
10th - 12th Nov. 2016
Venue : Integral University, Lucknow
ORGANIZERS
MEDIA PARTNERS
OUR SPONSORS

ICPASN-2016
International Congress
on
Post-Harvest Technologies of Agricultural Produce for
Sustainable Food and Nutritional Security
10th - 12th Nov. 2016
Venue : Integral University, Lucknow
ORGANIZERS
MEDIA PARTNERS
OUR SPONSORS